मई
2025

धर्म एवं अध्यात्म के तत्त्वज्ञान का वैज्ञानिक विश्लेषण

अखण्ड ज्योति

वर्ष 89 | अंक- 5 । प्रति – ₹ 25 । ₹ 300 वार्षिक

A. J. LIBRARY
165

7 ▶ व्यावहारिक अध्यात्म का मार्ग

31 ▶ जीवन शोधन का राजमार्ग है—त्याग

22 ▶ जीवन को नहीं, मृत्यु को भी उद्देश्यपूर्ण बनाएँ

43 ▶ प्रकाश का वरण करें

विषय सूची

❋ आवरण—1 1
❋ आवरण—2 2
❋ गायत्री तपोभूमि 3
❋ **विशिष्ट सामयिक चिंतन**
शैक्षणिक संस्थानों का उत्तरदायित्व 5
❋ व्यावहारिक अध्यात्म का मार्ग 7
❋ दिए-से-दिए को जलाना पड़ेगा 10
❋ आत्मसिद्धि की ओर 11
❋ बढ़ते रहें परम लक्ष्य की ओर 13
❋ अहंकार की महाव्याधि से सावधान 16
❋ शक्तिशाली बनें 18
❋ **पर्व विशेष—बुद्ध पूर्णिमा**
रुकें नहीं, बढ़ते रहें साधना के पथ पर 19
❋ जीवन को नहीं, मृत्यु को भी उद्देश्यपूर्ण बनाएँ 22
❋ बुद्धत्व 25
❋ बुद्धिमान जीव-जंतुओं का रोचक संसार 28
❋ जीवन शोधन का राजमार्ग है—त्याग 31
❋ क्या बुढ़ापा कष्टकर ही होता है? 34
❋ उत्तरकाशी से गंगोत्तरी धाम 35
❋ क्या खाएँ? क्यों खाएँ? कैसे खाएँ? 39
❋ स्वयं को जानें 41
❋ प्रकाश का वरण करें 43
❋ **ब्रह्मवर्चस-देव संस्कृति शोध सार—193**
संचार माध्यमों से सकारात्मक परिवर्तन 44
❋ **युगगीता—300**
कर्मों की सिद्धि के पाँच कारण 48
❋ **विश्वविद्यालय परिसर से—239**
दिव्य योजना का संवाहक है विश्वविद्यालय 50
❋ **परमवंदनीया माताजी की अमृतवाणी**
जीवन के देवता को, आओ तनिक सँवारें (उत्तरार्द्ध) 52
❋ **साधना शताब्दी-विशिष्ट लेखमाला**
मनुष्य—आकृति वही, प्रकृति नई 59
❋ **अपनों से अपनी बात**
प्रतिभा परिष्कार का आधार है—साधना 62
❋ गुरु ने किया बहुत उपकार (कविता) 66
❋ आवरण—3 67
❋ आवरण—4 68

आवरण पृष्ठ परिचय

महात्मा बुद्ध ध्यान में

मई-जून, 2025 के पर्व-त्योहार

रविवार	04 मई	गंगोत्पत्ति	गुरुवार	05 जून	गायत्री जयंती/ परमपूज्य गुरुदेव महाप्रयाण दिवस
सोमवार	05 मई	जानकी नवमी	शुक्रवार	06 जून	निर्जला एकादशी
गुरुवार	08 मई	मोहिनी एकादशी	बुधवार	11 जून	कबीर जयंती
शनिवार	10 मई	नृसिंह जयंती	शनिवार	21 जून	योगिनी एकादशी 'स्मा.'
सोमवार	12 मई	बुद्ध पूर्णिमा	रविवार	22 जून	योगिनी एकादशी 'वै.'
शुक्रवार	23 मई	अपरा एकादशी	शुक्रवार	27 जून	रथयात्रा
मंगलवार	27 मई	वट सावित्री व्रत			
गुरुवार	29 मई	महाराणा प्रताप जयंती			

★ **यह पत्रिका आप स्वयं पढ़ें तथा औरों को पढ़ाएँ। कुछ समय के बाद किसी अन्य पात्र को दे दें, ताकि ज्ञान का आलोक जन-जन तक फैलता रहे।** —*संपादक*

▶ 'नारी सशक्तीकरण' वर्ष ◀

CamScanner